an>

Title: Regarind unveiling a statue of Pt. Deen Dayal Upadhyay in Mughalsarai in Uttar Pradesh

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : सभापति महोदय, यहां माननीय रूडी जी हैं, माननीय रेल राज्य मंत्री जी भी हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का शताब्दी वर्ष चल रहा है और 11 फरवरी को उनके 100 वर्ष पूरे हुए हैं। उनका देहांत मेरे संसदीय क्षेत्र में हुआ था। मेरे संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत मुगलसराय में उनका शव पाया गया था। वहां रेलवे की पर्याप्त जमीन है और वह क्षेत्र देश का बड़ा केन्द्र है। उनकी पवित्र स्मृति में एक बड़ा स्मारक बनाया जाए, एक पार्क बनाया जाए। मैं माननीय रेल मंत्री जी और सरकार से आपके माध्यम से यह मांग करता हूं।

कृपया आश्वासन दें।

HON. CHAIRPERSON: Shri Ashwini Kumar Choubey, Shri Bhairon Prasad Mishra and Shri Sudheer Gupta are permitted to associate with the issue raised by Dr. Mahendra Nath Pandey.

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मनोज सिन्हा) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका संज्ञान सरकार लेगी और जो भी संभव होगा, वह शीघ्र करेगी।

SHRI RAJIV PRATAP RUDY : Sir, on behalf of the House, on behalf of Parliament we would extend a very special thanks to you, Sir, Dr. P. Venugopal Ji for having chaired and allowed the Members to present their views and represent their constituencies. Sir, you have been sitting here for the last seven hours. On behalf of the Parliament and on behalf of everyone, across Party lines, we congratulate you and thank you, and we extend our special thanks.

HON. CHAIRPERSON: Thank you.

The House stands adjourned to meet tomorrow, the 9th March, 2016 at 11.00 a.m.

23.51 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, March 9, 2016/Phalguna 19, 1937 (Saka)

---

* ण्ड्ढ म्श्द्र अ ड्ढद्धत्ड्ढड्ड ड्ढडद्दध्ड्ढ ण्ड्ढ दड्ढड्र्ढ द्दढ ड्ढ ग्ड्ढश्ड्ड्ढद्ध त्दड्डत्हड्ढय्ड्ढद्म् ण्ड्ढद्य् ण्ड्ढ द्र्वड्ढद्य्त्द्दद ड्ढद्म् ड्ढहय्द्वड्ढथ्न् ड्ढत्ड्ढड्ड द्दद ण्ड्ढ ढथ्द्दद्ध द्दढ ण्ड्ढ Hद्दद्वम्ड्ढ डन् ण्ड्ढद्य् ग्ड्ढश्ड्ड्ढद्ध.

* Lड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* थ्ड्ढहड्ढड्ड त्द Lत्डद्धड्ढद्धन्, च्ड्ढड्ढ ग्द्द. Lच्र् 4172/16/16.

* Lड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ ड्ढदड्ड ड्ढम्द्द द्रथ्ड्ढहड्ढड्ड त्द Lत्डद्धड्ढद्धन्, च्ड्ढड्ढ ग्द्द. Lच्र् 4173/16/16.

* Eदथ्त्म्र्ण् य्द्धड्ढदथ्ड्ढय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ च्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दड्ढथ्न् ड्डड्ढथ्त्थ्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ड्ढर्त्थ्.

* Eदथ्त्म्र्ण् य्द्धड्ढदथ्ड्ढय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ च्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दड्ढथ्न् ड्डड्ढथ्त्थ्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ग्ड्ढथ्ड्ढड्ढथ्ड्ढथ्.

* र्द्धड्ढड्ढय्ड्ढड्ड ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्ढत्ड्ड द्द ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहदद्धड्डड्ढड्ड.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहदद्धड्डड्ढड्ड.